RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-03
Issue-02
February-2018

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

फर्रूखाबाद जनपद का भूमि उपयोग प्रतिरूपः एक क्षेत्रीय अध्ययन

डॉ0 सविता पाण्डेय

असिस्टेन्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, राधे हरि राजकीय स्नात्तकोतर महाविधाय, काशीपुर (उत्तराखण्ड)

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 28 February 2018

Keywords
भूमि उपयोग प्रतिरूप, प्रतिवेदिन भूमि, कृषि भूमि उपयोग!

ABSTRACT

भूमि समस्त गतिविधियों का आधार है! इस पर ही समस्त गतिविधियों और आर्थिक क्रियाओं का सृजन और विकास होता है, भूमि उपयोग का तात्पर्य मानव द्वारा धरातल के विविध रूपों–पर्वत, पहाड़, मरू भूमि, दलदल, खदान, आवास, कृषि, पशुपालन तथा कृषि में प्रयोग किए जाने वाले कार्यो से हैं। प्रस्तुत शोध–पत्र में फर्रूखाबाद जनपद के भूमि उपयोग प्रतिरूप का अध्ययन किया गया है! साथ ही सामान्य भूमि उपयोग एंव कृषि भूमि उपयोग का विस्तारपूर्वक अध्ययन किया गया है

प्रस्तावना

भूमि संसाधन की दृष्टि से भारत एक संपन्न देश है। यहाँ का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 328.8 मिलियन हेक्टयर है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत विश्व का सातवां सबसे बड़ा देश है। यह आवासी, औद्योगिक और परिवहन व्यवस्था का आधार होने के साथ–साथ खनिजों का श्रोत, फसल एवं वनोपज का आधार और उनमें विविधता का पोषक हे। भारतीय कृषि की विविधितायुक्त प्रचुरता विश्व की कई अर्थव्यवस्थाओं के लिये दुर्लभ है। इस बहुमूल्य संसाधन के समुचित उपयोग और प्रबंध की आवश्यकता है। समुचित भूमि उपयोग द्वारा राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करते हुए इसके गुणधर्म को अक्षुण्य रखते हुए, इस अगली पीढ़ी को हस्तांतरित किया जा सकता है। समुचित भूमि उपयोग और प्रबंध इस कारण भी आवश्यक है क्योंकि जनसंख्या की दृष्टि से यहाँ का भौगोलिक क्षेत्रफल अपेक्षाकृत कम है। यहाँ का भौगोलिक क्षेत्रफल विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत भाग है। जबकि यहाँ विश्व की लगभग 15 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।जनपद फरूखाबाद में भूमि उपयोग के आंकड़े विद्यमान भूमि क्षेत्र का प्रयोगवार विवरण प्रस्तुत करते हैं और यह स्पष्ट करते हैं कि किसी भूमिखंड को सक्षमतापूर्वक कैसे कृषि योग्य बनाया जा सकता है। भूमि उपयोग का विभाजन मुख्य रूप से इस तथ्य पर आधारित है कि भूमि की प्रकृति कृषित भूमि की ओर बढ़नेकी है अथवा चारागाह या वनों के अंतर्गत बढ़ने की है। भूमि उपयोग का विवरण वन, कृषि उपयोग में प्रयुक्त बंजर तथा कृषि के अयोग्य भूमि, स्थायी चारागाह, वृक्ष एवं बागों वाली भूमि, कृषि योग्य खाली भूमि, चालू परती भूमि अन्य परती भूमि और शुद्ध कृषि नामक नौ शीर्षकों में प्रस्तुत किया जाता है। भूमि का प्रमुख उपयोग फसलों के उत्पादन के लिये किया जाता है। इसका अन्य उपयोग यातायात, मनोरंजन, आवास, उद्योग तथा व्यवसाय आदि जैसे कार्यों के लिये भी होता है। बहुधा भूमि का उपयोग बहुउद्देशीय हुआ करता है। यथा वन की भूमि का उपयोग चारागाह के रूप में तो होता ही है, साथ ही साथ उसे मनोरंजन के रूप में भी प्रयोग में लाया जाता है, दूसरी ओर यह भी देखना आवश्यक है कि भूमि के किसी बड़े भाग का दुरूपयोग भी न हो और यदि ऐसा होता है तो उसे उपयोग योग्य बनाया जाये, ऐसे भू–भाग जो बेकार पड़े हैं उन्हें कृषि योग्य बनाया जाये। भूमि उपयोग की योजना भूमि के अधिक प्रभावी विचार संगत और सुधरे उपयोग की संभावनाओं और उनमें सन्निहित विभिन्न क्षमताओं का आकलन मात्र तक ही सीमित न हो बल्कि वह अधिक व्यवहारिक हो जो अगली पीढ़ी के लिये भी संप्रेषण की क्षमता बनाये रखने के उद्देश्य से प्रेरित हो सकें।

यद्यपि भूमि प्रयोग, भूमि उपयोग तथा भूमि संसाधन उपयोग प्रायः एक दूसरे के पर्याय के रूप प्रयोग किये जाते हैं, परंतु इनके मध्य एक सूक्ष्म अंतर है। अर्थशास्त्री और भूगोलविद इनकी अलग–अलग व्याख्यायें प्रस्तुत करते हैं डा. सिंह के अनुसार कृषि से पूर्व की अवस्था के लिये जिसके अंतर्गत प्राकृतिक परिवेश का पूर्णतया अनुसरण किया जाता हो। 'भूमि प्रयोग' शब्द अधिक उपयुक्त होगा। परंतु जब मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भूमि के उचित या अनुचित प्रयोग ''भूमि उपयाग'' कहना अधिक संगत होगा।

उद्देश्यः–

- जनपद मे भूमि उपयोग की स्थिति का अध्ययन करना

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

- भूमि उपयोग के लिए विभिन्न संवर्गो व पक्षो का अध्ययन करना

आंकड़ो का स्त्रोत एवं विधि तंत्र– प्रस्तुत शोध–पत्र द्वितीय आंकड़ो पर आधारित है। आंकड़ो का संकलन जनपद सांख्याकीय पत्रिका (2011–12), भू–लेख विभाग, आर्थिक संचलन विभाग और सांख्याकीय विभाग द्वारा प्रकशित पत्रिकाओं से किया गया है, एम0 एस0 एम्सल व एम0 वर्ल्ड सॉफ्टवेयर के माध्यम से आंकड़ों को सारणी कर प्रदर्शित किया गया है। साथ ही उचित मानचित्र व ग्राफ को भी दर्शाया गया है।

अध्ययन क्षेत्र–फर्रूखाबाद जनपद भारत के उत्तर–प्रेदश राज्य, गंगा के बाँए किनारे पर स्थित है। इसका भौगोलिक अक्षांशीय विस्तार 26 46′ से 27 43′ उत्तरी अक्षांश एवं देशांतर विस्तार 79 7′ पूर्व से 80 2′ पूर्वी देशांतर के मध्य विस्तृत है। जनप के उतर में बदायूं और शाहजहाँपुर, पूर्व में हरदोई जिला, दक्षिण में कन्नौज और पश्चिम में एटा और मैनपुरी जिले स्थितहै। इसके पूर्व में गंगा व रामगंगा नदी तथा दक्षिण में काली नदी बहती है। जनपद फर्रूखाबाद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2181वर्ग किलामीटर है। वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार यहाँ की कुल जनसंख्या 18,85,000 है। तथा जन घनत्व 865 व्यक्ति वर्ग किलोमीटर है।

जनपद फर्रूखाबाद :– अवस्थिति मानचित्र

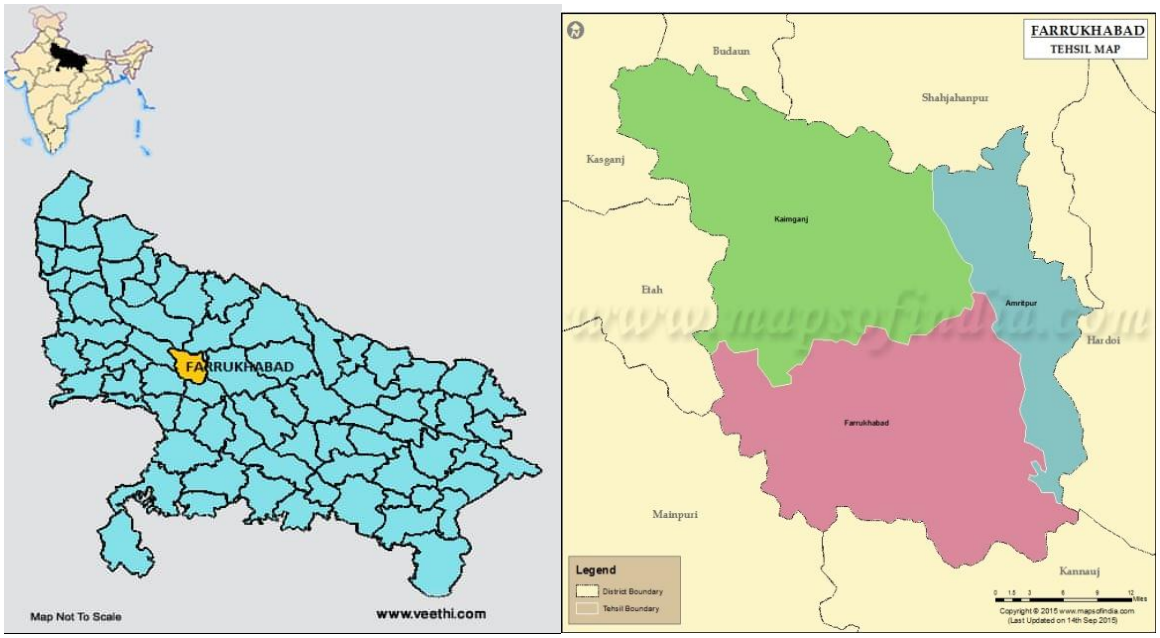

स्त्रोतः–www.mapofindia.com

सामान्य भूमि उपयोग

भूमि उपयोग एक ऐसा आर्थिक प्रक्रम है जिसके द्वारा भूमि को यथाशक्ति रूप में, तथाभूमि की प्रकृति के अनुरूपदशाओं का अनुगमन करते हुये विभिन्न प्रकार के उत्पादनों के लिये प्रयुक्त किया जाता है। भूमि उपयोग का सम्बन्ध संसाधनों के अध्ययन मात्रा से नहीं है। इसका अर्थ व्यापक है। क्योंकि यात्रिक क्रान्ति के कारण भूमि एक त्रिआयामीय प्रत्यय के रूप में विकसित हो गयी है। "भूमि उपयोग भूमि के स्वभाविक लक्षणों के अनुसार भू. धरातल का यथार्थ तथा विशिष्ट उपयोग है" उपयोग का अध्ययन मूलतः वनस्पति आचछादन या उसकी कमी से सम्बन्धित है। भूगोल के क्षेत्र में यह एक औपचारिक संकल्पना है।" पुष्टि करते हैं कि–भूमि उपयोग प्राकृतिक व सांस्कृतिक दानों की उपादानों के संयोग का प्रतिफल है।

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

सारणी क्रमांक 1 जनपद फर्रुखाबाद में सामान्य भूमि–उपयोग

क्रमांक	विवरण	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	क्षेत्रफल प्रतिशत में
1.	कुल प्रति वेदित भूमि	218979	100.00
2.	वन	483	0.22
3.	कृषि योग्य बंजर भूमि	6969	3.18
4.	वर्तमान में परती–भूमि	9062	4.13
5.	अन्य परती–भूमि	12889	5.88
6.	ऊसर व कृषि अयोग्य भूमि	9008	4.11
7.	कृषि अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि	23476	10.72
8.	चारागाह	563	0.25
9.	उद्यान, वृक्ष व झाड़ियों का क्षेत्र	3351	1.53
10.	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	152178	69.98

स्त्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका जनपद फर्रुखाबाद

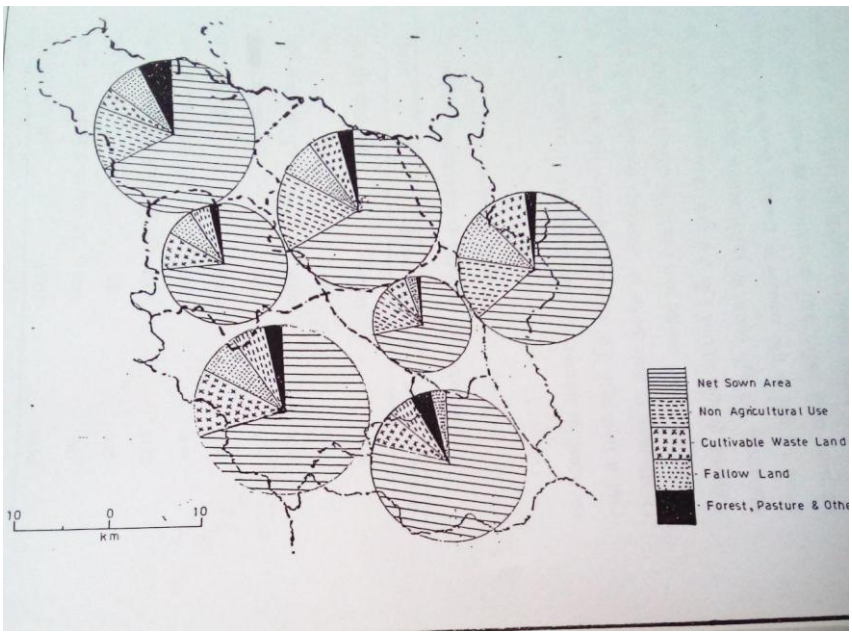

स्त्रोत :– स्वयं निर्मित

सामान्य भूमि–उपयोग सारणी 1 से स्पष्ट है कि कोई भी कृषि जन्य विकास यकायक परिवर्तित नहीं होता, बल्कि धीरे–धीरे कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल के आन्तरिक उपवर्गों में परिवर्तन से होता रहता है। कृषि नियोजन में भूमि–उपयोग के अध्ययन का महत्वपूर्ण स्थान है। यदि जनपद फर्रुखाबाद में भूमि–उपयोग का विश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है कि 2011–12 के आंकड़ों के अनुसार जनपद फर्रुखाबाद में कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल का 69.98 प्रतिशत भाग कृषि के अन्तर्गत शुद्ध रूप से बोया गया है। कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग में लायी भूमि 10.72 प्रतिशत है। जनपद में चारागाह का क्षेत्रफल भूमि उपयोग के दृष्टिकोण से अधिक महत्वपूर्ण नही है क्योंकि यहाँ कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल का मात्र 0.25 प्रतिशत भाग ही चारागाह के रूप में उपयोग किया जाता है। कुल क्षेत्र का 0.22 प्रतिशत वनों के अन्तर्गत है जो राष्ट्र के औसत से कम है। कुल क्षेत्र में 3.18 प्रतिशत बंजर भूमि तथा 4.13 प्रतिशत वर्तमान परती तथा 5.88 प्रतिशत अन्य परती भूमि के अन्तर्गत निहित है, जबकि उद्यान, वृक्ष व झाड़ियो के अन्तर्गत 1.53 प्रतिशत क्षेत्रफल सम्मिलित है। जनपद के भूमि उपयोग को तालिका 1 में दर्शाया गया है। (स्त्रोत : सांख्याकीय पत्रिका फर्रुखाबाद 2011–12)

जनपद में ग्रामीण एवं नगरीय स्तर पर भूमि उपयोग के विभिन्न वर्गों में अन्तर देखने को मिलता है। नगरीय क्षेत्रों में वनों एवं चारागाहों का पूर्णरूपेण अभाव पाया गया है। नगरीय क्षेत्र में कुल प्रतिवेदित क्षेत्र की 294 हेक्टेयर भूमि शुद्ध रूप से

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

बोयी जाती है, जबकि 583 हेक्टेयर भूमि का उपयोग आवासीय कार्यों के लिये किया जाता है।

सारणी क्रमांक 2 फर्रुखाबाद जनपद का भूमि उपयोग (प्रतिशत में)

क्र.	विकासखण्ड	वन+ उद्यान चारागाह	बंजर+ ऊसर	कुल परती	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग	शुद्ध बोया गया क्षेत्रा
1.	मोहम्दाबाद	2.65	8.2	12.89	6.05	70.17
2.	कायमगंज	1.14	5.31	13.24	13.24	67.84
3.	राजेपुर	0.81	10.95	10.9	12.79	64.16
4.	शम्शाबाद	2.81	7.67	6.62	15.68	66.68
5.	कमालगंज	3.18	2.69	7.72	5.75	79.03
6.	नवाबगंज	2.11	7.72	10.6	5.70	73.8
7.	बढ़पुर	3.14	4.21	7.78	12.83	72.02

स्त्रोत : सांख्याकीय पत्रिका फर्रुखाबाद 2011–12

जनपद फर्रुखाबाद में विकासखण्डवार प्रतिवेदित भूमि का मोहम्दाबाद में 18.72 प्रतिशत क्षेत्र हैं कायमगंज मं 16.65 प्रतिशत क्षेत्र है। राजेपुर में 16.14 प्रतिशत क्षेत्र आता है। शम्शाबाद में कुल भूमि का 16.00 प्रतिशत क्षेत्र है। कमालगंज में कुल प्रतिवेदित भूमि का 15.04 प्रतिशत नवाबगंत में कुल प्रतिवदित भूमि का 10.54 प्रतिशत एवं बढ़पुर में 6.47 प्रतिशत कुल प्रतिवेदित भूमि पायी जाती है। (स्त्रोत– सांख्यिकी पत्रिका) इस प्रकार उपरोक्त आंकड़ो से स्पष्ट होता है कि फर्रुखाबाद जनपद में कुल प्रतिवेदित भूमि का सार्वधिक प्रतिशत मोहम्दाबाद विकासखण्ड के क्षेत्र में है जबकि सबसे न्यून–प्रतिशत भूमि का बढ़पुर विकासखण्ड मे है जबकि राजेपुर व शमशाबाद विकासखण्ड में वनो का प्रतिशत शून्य है। जनपद में भूमि उपयोग तालिका 2 से स्पष्ट हाता है कि, जनपद में वन, उद्यान एवं चारागाह की सम्मिलित भ्ज्ञूमि का प्रतिशत सर्वाधिक बढ़पुर विकासखण्ड में 3.14 प्रतिशत है जबकि सर्वाधिक न्यून प्रतिशत राजेपुरा क्षेत्र में 0.81 प्रतिशत है जनपद में कुल प्रतिवेदित क्षेत्र में बंजर एवं ऊपर भूमि का सर्वाधिक भग 10.95 प्रतिशत राजेपुर विकासखण्ड में है। इस प्रकार विदित होता है कि रोजपुर क्षेत्र में कृषि योग्य भूमि का सर्वाधिक प्रतिशत 12.89 मोहम्दाबाद मे है। जबकि सार्वधिक न्यून प्रतिशत 6.62 शम्शाबाद में है। जनपद में कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि का सर्वाधिक 15.68 प्रतिशत भाग शम्शाबाद मे है, जबक सर्वाधिक न्यून प्रतिशत 5.75 कमालगंज क्षेत्र में है। विकासखण्ड के अनुसार कुल प्रतिवेदित भूमि के शुद्ध बोय गये क्षेत्र का सार्वधिक प्रतिशत 79.03 कमालगंज क्षेत्र में है। जबकि सबसे कम 64.16 प्रतिशत राजेपुर में निहित है। तालिका क्रमांक 2 से स्पष्ट है कि कुल प्रतिवेदित भूमि का कमालगंज में पांचवां स्थान होने पर भी शुद्ध बोये गये क्षेत्र का सर्वाधिक भाग कमालगंज में है। जबकि राजेपुर में कुल प्रतिवेदित भूमि का तीसरा स्थान होने पर भी शुद्ध बोय गये क्षेत्र का सर्वाधिक न्यून भाग है। अतः राजेपुर क्षेत्र में ऊसर एवं बंजर क्षेत्रों को कृषि के योग्य बनाये जाने की सम्भावनायें उपस्थित है।

सारणी क्रमांक 3 जनपद में बोये गये क्षेत्र का विवरण

क्र0	फसल	क्षेत्रफल बोया गया (हैक्टेयर में)	बोया गया क्षेत्र प्रतिशत में
1.	रवी के अन्तर्गत	127465	56.78
2.	खरीफ के अन्तर्गत	83920	37.38
3.	जायद के अन्तर्गत	13087	5.83
	कुल बोया गया क्षेत्र	224472	100.00

स्त्रोत : सांख्याकीत पत्रिका 2011–12

यदि जनपद में सकल बोये गये क्षेत्रफल की व्याख्या करें तो तालिका क्रमांक 3 से स्पष्ट है कि जनपद में सकल बोया गया क्षेत्रफल 224472 हेक्टेयर है जिसमें रबी, खरीफ, जायद में क्रमशः 127465, 83920, एवं 13087 हेक्टेयर क्षेत्रफल

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

सम्मिलित है। जनपद में गन्ने के लिए तैयार की गयी भूमि का ह्रास हुआ है। जो पहले 169 हेक्टेयर थी, किन्तु बाद में मिलों में घाटा, संग्रहण क्षममा का ह्रास, यांत्रिक अभियांत्रिकी में कुशलता की कमी आदि के कारण अब फर्रूखाबाद जनपद में गन्ने की कृषि समाप्त प्रायः हो चुकी है इससे फर्रूखाबाद जनपद में स्थित चीनी उद्योग को सर्वाधिक हानि हुयी है।इस जनपद में सकल बोये गये क्षेत्रफल रबी, खरीफ और जायद फसलों के अतिरिक्त गन्ने के लिए अलग से कोई भूमि निहित नहीं है। जनपद में रबी फसल क अन्तर्गत सकल बोयी गयी भूमि का 56.38 प्रतिशत भूमि और जायद फसल के अन्तर्गत सकल बोयी गयी भूमि का 5.83 प्रतिशत भूमि निहित है। विकासखण्ड स्तर पर सकल बोयी गयी भूमि का सर्वाधिक हेक्टेयर मोहम्मदाबाद क्षेत्र विकासखण्ड में पाया जाता है। जो सम्पूर्ण जनपद में सकल बोयी गयी भूमि का 18.50 प्रतिशत तथा न्यूनतम हेक्टेयर 15461 बढ़पुर विकास खण्ड में है जो सम्पूर्ण जनपद की सकल बोयी गयी भूमि का 6.88 प्रतिशत है। (स्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका 2011–12)

कृषि भूमि का उपयोग

सामान्य भूमि का उपयोग एवं कृषि–भूमि उपयोग में अत्यन्त सूक्ष्म अन्तर है। सामान्य–भूमि उपयोग के अन्तर्गत जहाँ प्रकृति द्वारा प्रदत्त भूमि की स्थितियाँ सम्मिलित है वहीं कृषि भूमि उपयोग के अन्तर्गत माननीय प्रयासों द्वारा कृषि के अन्तर्गत भूमि के उपयोग में सम्मिलित किया जाता है। चावल के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल का 9246 हेक्टेयर क्षेत्र बोया जाता हैं जो सकल बोये गये क्षेत्र का 4.11 प्रतिशत भाग है। इस प्रकार सारणी क्रमांक 4 से स्पष्ट है कि है कि, फर्रूखाबाद जनपद में कुल खाद्यान्न के अन्तर्गत 149208 हेक्टेयर क्षेत्रफल निहित है जो, बोयी गयी कुल भूमि का 9.21 प्रतिशत है। जबकि दलहन कुल बोये क्षेत्र का 11151 हेक्टेयर में बोया जाता है जो सकल बोयी भूमि का 4.94 भाग में उपजाया जाता है।

फर्रूखाबाद जनपद में अन्य फसलों के रूप में आलू महत्त्वपूर्ण फसल है। जो सकल बोयी गयी भूमि का 12.17 प्रतिशत भाग पर बोयी जाती है। जबकि तम्बाकू 2.25 प्रतिशत भाग पर गन्ना कुल बोयी गयी भूमि के 3.76 प्रतिशत भाग पर बोया जाता है। कुल शेष 2.30 प्रतिशत पर चारा बोया जाता है।

क्रमांक सारणी 4 फर्रूखाबाद जनपद में फसल प्रारूप (प्रतिशत में)

क्र0 संख्या	मुख्य फसलें	बोया गया क्षेत्र प्रतिशत में
1.	खाद्यान्न	65.46
2.	तिलहन	9.21
3.	दलहन	4.94
अन्य फसलें		
4.	आलू	12.17
5.	गन्ना	3.76
6.	चारा	2.30
7.	तम्बाकू	2.25
कुल		100.00

स्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका जनपद फर्रूखाबाद

क्रमांक सारणी 5 खाद्यान्न उत्पादन प्रारूप

प्रमुख खाद्यान्न

क्र.सं.	फसले	उत्पादन मीट्रिक टन में	औसत उत्पादन
1.	गेहूँ	237743.00	31.99
2.	चावल	19333.00	20.91
3.	मक्का	92133.00	21.72
4.	बाजरा	.5169.00	12.96
5.	ज्वार	.3034.00	8.82
6.	जौ	.5483.00	23.88

स्त्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका जनपद फर्रुखाबाद 2011–2012

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

सारणी क्रमांक 6 दलहन उत्पादन प्रारूप

क्र.सं.	फसलें	उत्पादन मीट्रिक टन में	औसत उत्पादन प्रति हेक्टेयर (कुन्तल में)
1.	उर्द	1323.00	6.10
2.	मूँग	600.00	7.17
3.	म्सूर	633.00	8.11
4.	टरहर	2410.00	9.07
5.	च्ना	3889.00	11.23
6.	मटर	2529.00	20.06

स्त्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका जनपद फर्रुखाबाद

उत्पादन प्रारूप

सारणी क्रमांक 5 से स्पष्ट है कि, जनपद फर्रूखाबाद में 2011–12 के नवीन आंकडों के अनुसार कुल खाद्यान्न उत्पादन 365923.00 मीट्रिक टन रहा। जिसमें गेहूँ कुल 237743.00 मी.ट. एवं चावल 19333मीट्रिक टन रहा। सारणी नं. 4.6 से स्पष्ट है कि, कुल दलहन उत्पादन 11390.00 मीट्रिक टन रहा। जिसमें क्रमशः चना 3889.00 मीट्रिक टन मटर 2528. 00 मीट्रिक टन एवं अरहर 2418 मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ। सारणी क्रमांक 4.7 से स्पष्ट है कि, जनपद में तिलहन उत्पादन कुल 25982.00 मीट्रिक टन हुआ जिसमें प्रमुख उत्पादन सरसों 13674.00 मीट्रिक टन एवं दूसरे स्थान पर उत्पादन सूरजमूखी 11302.00 मीट्रिक टन हुआ। गन्ने का उत्पादन 494230.00 मीट्रिक टन हुआ आलू का उत्पादन 761285.00 मीट्रिक टन हुआ तम्बाकू का उत्पादन 31174.00 मीट्रिक टन हुआ।जनपद फर्रूखाबाद में प्रतिहेक्टेयर उत्पादन सर्वाधिक 583.92 कुन्तल प्रति हेक्टेयर गन्ने का रहा। आलू का दूसरे स्थान पर 279.40 कुन्तल प्रति हेक्टेयर रहा। धान्य फसलों में सर्वाधिक उत्पादन गेहूँ का 31.99 कुन्तल प्रति हेक्टेयर रहा। जबकि चावल का 20. 91 कुन्तल प्रति हेक्टेयर व मक्का का 21.72 कुन्तल प्रति हेक्टेयर रहा। इस प्रकार औसत उपज खाद्यान्न की कुन्तल प्रति हेक्टेयर 24.85 रही। (स्रोतः सांख्यिकीय पत्रिका)

सारणी क्रमांक 6 से स्पष्ट है कि, जनपद में दालों की औसत उपज प्रति हेक्टेयर 10.29 कुन्तल रहा। जिसमे सर्वाधिक मटर 20.06 कुन्तल प्रति हेक्टेयर व 11.23 कुन्तल प्रति हेक्टेयर चना व 9.07 कुन्तल प्रतिहेक्टेयर औसत उपज अरहर की रहा। जनपद में तिलहन की औसत उपज कुन्तल प्रति हेक्टेयर 11.90 रही जिसमें 16.01 कुन्तल प्र.हे सूरजमुखी व 12.45 कुन्तल प्रति हे. औसत उपज सरसो की रही है जो निम्न तालिका 7 से स्पष्ट है।

क्रमांक सारणी 7 तिलहन उत्पादन प्रारूप व अन्य फसलें

तिलहन

क्र.सं.	फसलें	उत्पादन मीट्रिक टन में	औसत उत्पादन प्रति हेक्टेयर (कुन्तल में)
1.	स्रसों	13674.00	12.45
2.	तिल	201.00	1.11
3.	मूंगफली	805.00	9.22
4.	सूरजमुखी	1.302.00	16.01

अन्य फसले

क्र.सं.	फसलें	उत्पादन मीट्रिक टन में	औसत उत्पादन प्रति हेक्टेयर (कुन्तल में)
1.	गन्ना	494230.00	583.92
2.	टालू	761285.00	278.40
3.	तम्बाकू	31174.00	61.50

स्त्रोत ' सांख्यिकीय पत्रिका जनपद फर्रूखाबाद

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

सारणी क्रमांक 8 फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)

क्र.सं0	विकासखण्ड	खाद्यान्न	दलहन	तिलहन	आलू	तम्बाकू	गन्ना
1.	कायामगंज	21571	1433	2585	1103	2098	2945
2.	नवाबगंज	17509	1319	1732	2321	989	1576
3.	शम्शाबाद	21384	1323	2119	2784	1548	2813
4.	राजेपुर	240671	1508	3257	1976	17	770
5.	बढ़पुर	8676	620	1501	3543	171	151
6.	मोहम्दाबाद	30029	2786	4136	6316	136	197
7.	कमालगंज	25469	2146	5392	9308	93	12

स्त्रोत : सांख्यकीय पत्रिका फर्रूखाबाद

सारणी क्रमांक 8 के अनुसार जनपद में फसलों के अन्तर्गत पाये जाने वाले क्षेत्रफल को दर्शाया गया है।

निष्कर्ष :–

किसी क्षेत्र के भूमि उपयोग विवरण करने का तरीका वहाँ क्षेत्र की समृद्धता को दर्शाता है, जिसके आधार पर क्षेत्र के विभिन्न पक्षों के अध्ययन समय–समय पर किया जा सकता है।क्षेत्र के भूमि उपयोग प्रतिरूप के अध्ययन से यह पाया गया कि भूमि उपयोग वर्गों में एक रूप नहीं है। भौतिक, प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं तरनीकी परिस्थितियों के फलस्वरूप भूमि उपयोग समयनुकूल परिवर्तिन होता रहता है।क्षेत्र में भूमि सुधार सम्बन्धित नीतियों के क्रियान्वयन से असर भूमि में कमी एवं कृषि के अतिरिक्त अन्य भूमि उपयोग में वृद्धि हुई है।जनपद फर्रूखाबाद कृषि प्रधान क्षेत्र है। यहाँ कुल कार्यशैल जनसंख्या का भाग 80 प्रतिशत सीधे कृषक एवं कृषक–मजदूरों के रूप में कृषि से जुड़ा है। विगत वर्षों में जनपद के कृषि क्षेत्र में विभिन्न पदों में महत्वपूर्ण परिवर्तन घटित हुये हैं। इस परिवर्तनों के लिये जनपद के कृषकों द्वारा कृषि में मशीनीकरण के प्रयोग, खादें, उत्पादन देने वाले बीजों, कीटनाश दवाइयों के प्रयोग के साथ–साथ सिंचाई की सुविधाओं का अधिकतम उपयोग किया जाना रहा है। उपरोक्त घटक जहाँ जनपद के कृषि विकास में सहायक सिद्ध हुये है वहीं उन्होने मानव समाज के परिवर्तन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। कृषि से सम्बन्धित नवीन जो समय और क्षेत्र में घटित होते हैं के प्रयोग एक ऐसी प्रक्रिया है जो कृषि विकास के साथ–साथ मानवीय समाज को सुनिश्चित करती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. ई. डब्ल्यू जिम्मर मैन–वर्ल्ड रिसोर्सेज एण्ड इण्डस्ट्रीज
2. आर.सी. तिवारी एव बी. एन. सिंह–कृषि भूगोल, 2001, प्रयग पुस्तक भवन, पृ. 3
3. वही, 2, पृ. 1
4. आर.पी. मिश्रा–डिफ्यूज ऑफ एग्रीकल्चर इन्नोवेशन्स ए थ्योरिटिकल एण्ड इम्पीरियल स्टडी. यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, 1968, पृ. 3
5. प्रो. आर.सी. तिवारी एवं डॉ. बी. एन. सिंह–कृषि भूगोल, 2001, प्रयाग पुस्तक भवन, पृ. 75
6. जे. फाक्समैन–सेन्टर ऑफ लैण्डयूज, 1962 पृ. 76
7. सी. बैनजेटी–ज्योग्राफी जनरल्स, 1972 पृ. 134
8. रॉयल कमीशन–एनीमल लाइफ, 1982, पृ. 17
9. वी.पी.ए. भदौरिया एवं ए.सी. दुआ–रूरल डबलपेमेंट स्ट्रेटेजी एण्डपर्सपैक्टिव, अनमोल पब्लिकेशन, दिल्ली, 1986, पृ. 184–85
10. पुलिस कार्यालय रिकार्ड
11. फर्रूखाबाद गजेटियर
12. अर्थ एवं सांख्याधिकारी जिला फर्रूखाबाद
13. फतेहगढ़ कैम्प हिन्दी अनुवाद डॉ. हाटा एण्ड सोनी
14. सांख्यिकीय पत्रिका जनपद फर्रूखाबाद
15. जनगणना कार्यालय जनपद फर्रूखाबाद

© RRIJM 2015, All Rights Reserved